

डॉ. बिल मौस, पर्वत पर उपदेश, व्याख्यान 9, मत्ती 6:1ff, धर्मपरायणता के कार्यों का अनुसरण

© 2024 बिल मौस और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बिल मौस द्वारा माउंट पर उपदेश पर दिया गया उपदेश है। यह मैथ्यू 6:1 पर सत्र 9 है और उसके बाद धर्मपरायणता के कार्य पर है।

खैर, हम माउंट पर उपदेश के अध्याय 6 पर हैं।

अध्याय 6 के कम से कम पहले भाग की चर्चा का मुख्य भाग प्रार्थना पर होगा, लेकिन हम बस अपना रास्ता तय करेंगे और देखेंगे कि हम कैसे करते हैं। तो, आइए प्रार्थना करें कि हम शुरू करें। पिता हम सभी चीजों पर आपके संप्रभु नियंत्रण और निगरानी के लिए आभारी हैं।

कस्टर्न, हमारे जीवन और हमारे चर्चों में मुद्दों पर, और अक्सर हम समझ नहीं पाते कि आप क्या कर रहे हैं, लेकिन हम आप पर भरोसा करते हैं, और जब प्रार्थना की बात आती है, तो पिता, क्या आप हमें शायद नए विश्वास देंगे और हमें सोचने के नए तरीके और प्रार्थना के बारे में प्रचार करने के नए तरीके देंगे जो हमारे लोगों को आपसे बात करने, आपसे संवाद करने और आप पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। यीशु के नाम पर, आमीन। ठीक है, हम अध्याय 6 में पर्वत पर उपदेश के अगले प्रमुख खंड पर आ गए हैं। अध्याय 6 का समग्र प्रश्न न केवल धर्मपरायणता के इन पहले तीन कार्यों के बारे में है, बल्कि अध्याय 6 के माध्यम से धन की चर्चा और परमेश्वर के वचनों के राज्य की खोज के बारे में भी है। असली सवाल यह है कि आप किसे खुश करना चाहते हैं? आप किसके लिए जी रहे हैं? क्या आप इसलिए जीते हैं कि दूसरे लोग आपकी प्रशंसा करें, या आप इसलिए जीते हैं कि परमेश्वर आपकी प्रशंसा करें? यह सबसे बड़ा सवाल है, और यीशु, यह अध्याय 5 से एक स्वाभाविक आंदोलन है। आप अलग होने, नमक और प्रकाश बनने के आह्वान को जानते हैं।

उनकी सर्वोच्चता और पुराने नियम की उनकी समझ के प्रति समर्पण का आह्वान। आप जानते हैं, ऐसा नहीं है कि वह किसी बिलकुल नए विषय पर चले गए हैं, लेकिन यह एक अच्छा विषय है कि हम किसके लिए जीते हैं। हम किसके प्रति प्रतिबद्ध हैं? हम किसकी प्रशंसा चाहते हैं? मेरे मन में अभी कुछ विचार आया। यह पिछले दिनों सुबह नाश्ते पर हुई चर्चा में आया। मैं कानून के बारे में संक्षेप में कहना चाहता हूँ। बदले में, जब आप पुराने नियम, नए नियम के संबंधों और अन्य चीजों के साथ संघर्ष करते हैं, तो एक चीज़ जो मुझे परेशान करती है, वह यह है कि जब मैं कानून देखता हूँ, तो मैं पुराने नियम के बारे में सोचता हूँ, और कभी-कभी कानून पुराने नियम को संदर्भित करता है, आम तौर पर यह मोज़ेक कानून को संदर्भित करता है, पेंटाटेच को और मैंने कल इस बिंदु को नहीं बताया।

पॉल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि मूसा के कानून का उद्देश्य हमें मसीह के पास लाना था, लेकिन इसे समाप्त कर दिया गया है, है न? मेरा मतलब है, यही गलातियों का संदेश है, इसलिए यह निराशाजनक है कि मैंने इसके बारे में नहीं सोचा। हम अभी भी अब्राहमिक वाचा के अधीन हैं, जो एक शाश्वत वाचा है, लेकिन मूसा की वाचा का उद्देश्य हमें मसीह के पास लाना था, लेकिन इसे समाप्त कर दिया गया है और इसकी जगह मसीह के कानून को लाया गया है।

यदि आप पिछली बार यहाँ डग मू के साथ थे, तो उन्होंने अपनी बात मुझसे कहीं बेहतर तरीके से कही थी, और इसलिए मूसा के कानून के वे हिस्से जो नए नियम में दोहराए गए हैं, हम उनका पालन करते हैं, लेकिन उस चर्चा में से कोई भी प्रमुख, छोटे भविष्यद्वक्ताओं, भजन और नीतिवचन को प्रभावित नहीं करता है कि वे मूसा के कानून का हिस्सा नहीं हैं, इसलिए मैं बस इस बात पर जोर देना चाहता था कि हमने कानून और उसके प्रभावों के बारे में बात की थी। पॉल के अनुसार, गलातियों में मूसा का कानून हमें मसीह के पास लाने के लिए एक अस्थायी उपाय था, और इसे मसीह के कानून द्वारा बदल दिया गया है। इसलिए, मैं इसे कल के व्याख्यान में वापस रखूंगा और वैसे भी इसमें एक मोड़ सब्बाथ है क्योंकि हम सभी जानते हैं कि सब्बाथ और दशमांश पुराने नियम में दो वास्तविक स्पष्ट चीजें हैं जिन्हें नए नियम में दोहराया नहीं गया है।

सब्त के पालन के बारे में बात यह है कि भले ही आज्ञा दोहराई नहीं गई है, लेकिन यह उत्पत्ति 2 में सृष्टि के ताने-बाने में लिखी गई है, इसलिए आपको अभी भी जीवन और काम और विश्राम के चक्र से निपटना होगा जिसे परमेश्वर ने सृष्टि में स्थापित किया है, इसलिए सिर्फ इसलिए कि सब्त की आज्ञा नए नियम में दोहराई नहीं गई है, आपको अभी भी उत्पत्ति 2 से निपटना होगा। वैसे, शायद यह उस बातचीत में थोड़ी मदद करेगा। ठीक है, तो आप किसे खुश करना चाहते हैं? आप किसके लिए जीना चाहते हैं? आपकी प्रशंसा किसके लिए है? खैर, यीशु अध्याय की शुरुआत करते हैं जैसा कि वह अक्सर करते हैं, बस हमें सीधे बताकर कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं। यहाँ थीसिस है: सावधान रहें कि आप अपनी धार्मिकता का अभ्यास न करें, दूसरे शब्दों में, अपने धर्मपरायण कार्यों को दूसरों के सामने न दिखाएँ ताकि वे उन्हें दिखा सकें।

यही कुंजी है। उन्हें दिखाई देना। अगर आप ऐसा करेंगे, तो आपको स्वर्ग में अपने पिता से कोई इनाम नहीं मिलेगा।

यह दिलचस्प है, है न, कि पाप इतना सूक्ष्म और इतना भ्रामक है कि हम गलत कारणों से सही काम कर सकते हैं। हम प्रार्थना और उपवास करने और धर्मपरायणता के तीन पारंपरिक कृत्यों पर विचार करने जा रहे हैं। इन कामों में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन अगर आप इन्हें गलत कारण से करते हैं, तो अध्याय 6 में निंदा की जाती है। क्योंकि इसका मतलब है कि आपको केवल इंसानों से ही प्रशंसा मिलेगी। यह ईश्वर से नहीं मिलने वाली है।

मैं भूल जाता हूँ कि मैं कहाँ हूँ। मैं यहाँ आदमी कह सकता हूँ, है न? आपकी प्रशंसा मनुष्य की ओर से नहीं, बल्कि ईश्वर की ओर से है। ठीक है।

पूरी कुंजी प्रेरणा है। ऐसा नहीं है कि धर्मपरायणता के कार्य गलत हैं, लेकिन धार्मिक कार्य गलत कारणों से भी किए जा सकते हैं। उन्हें लोगों द्वारा देखे जाने के लिए किया जा सकता है।

यह प्रेरणा है। यह हृदय है जिसके बारे में हम अध्याय 5 के पिछले आधे भाग में बात कर रहे हैं। यह हृदय है। यह हृदय की पवित्रता है कि वे गलत कारणों से भी किए जा सकते हैं।

और गलत कारणों से किए गए अच्छे कामों का क्या मूल्य है? आपको स्वर्ग में अपने पिता से कोई पुरस्कार नहीं मिलता है। यह धारणा कि हम सभी ईश्वर से पुरस्कार चाहते हैं, मानवीय प्रशंसा से कहीं अधिक मूल्यवान है। वह कह रहा है कि यदि आप गलत कारण से सही काम करते हैं तो आपको ईश्वर से कुछ नहीं मिलता।

चाहे आप कितना भी दान करें, प्रार्थना करें और उपवास करें, आपको भगवान से कुछ भी वापस नहीं मिलता। मेरे द्वारा सुने गए सबसे पसंदीदा उपदेशों में से एक मेरा नहीं था। यह स्पोकेन में एक चर्च में था, जहाँ मैं सालों पहले गया था, और पादरी काफी बहादुर था, उसे समय-समय पर बहुत ज़ोर से बातें कहने के कारण परेशानी होती थी, लेकिन मुझे हमेशा यह पसंद आया।

चर्च के एक सदस्य के साथ सप्ताह के दौरान जो बहुत अमीर था, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि चर्च को उसका पैसा मिलना जारी रखना है, तो उन्हें बस मेहनत करनी होगी या अपनी इच्छा व्यक्त करनी होगी और वही करना होगा जो वह उनसे करवाना चाहता है। खैर, उसने गलत पादरी को यह बात बताई। और इसलिए, अगले उपदेश को, हम बदबूदार भेंट उपदेश कहते हैं।

उस चर्च में बदनामी में जियो। और उसने ये शब्द निष्कर्ष में कहे। यदि आप इस चर्च को नियंत्रित करने के लिए पैसे दे रहे हैं, तो आपका बदबूदार पैसा चढ़ावे को बदबूदार बना रहा है।

यह चर्च में बदबू फैला रहा है, और मुझे तुम्हारा बदबूदार पैसा नहीं चाहिए। अपना बदबूदार पैसा लो और यहाँ से चले जाओ। क्या तुमने ऐसा कोई उपदेश सुना है? वहाँ, मैं कान से कान तक मुस्कुरा रहा था क्योंकि मैं जानता था कि वह किसके बारे में बात कर रहा था।

और मैंने सोचा, वाह, यार। हाँ, यह अच्छा था, और जहाँ तक मैं उस सज्जन को जानता हूँ, यह दिलचस्प था, और वह कोई सज्जन व्यक्ति नहीं था। उसके व्यक्तित्व के साथ बस एक वास्तविक समस्या थी।

उसने चर्च नहीं छोड़ा, लेकिन हो सकता है कि उसने दान देना बंद कर दिया हो। मुझे नहीं पता। लेकिन उसे संदेश बहुत स्पष्ट रूप से मिल गया था, और उसने फिर कभी पादरी को बरगलाने की कोशिश नहीं की।

इन शब्दों में, पादरी कह रहा है कि अगर आप मानवीय प्रशंसा के लिए कुछ दे रहे हैं, तो आपको वह नहीं चाहिए। मुझे वह नहीं चाहिए। बस ऐसा मत करो।

कोई प्रशंसा नहीं। भगवान से और, इस मामले में, हमारी ओर से कोई प्रशंसा नहीं। वैसे भी, चाहे आप कितना भी दान करें, प्रार्थना करें और उपवास करें, आपको भगवान या पादरी रिक पोर्टर से कुछ भी वापस नहीं मिलेगा।

तो, उनके पास पारंपरिक धर्मपरायणता, प्रार्थना करने और उपवास के तीन उदाहरण हैं, और जब प्रार्थना की बात आती है तो मेरे पास बात करने के लिए बहुत कुछ है। इसलिए, मैं क्रम को थोड़ा बदलने जा रहा हूँ। हम उपवास करने के बारे में बात करने जा रहे हैं, और फिर हम वापस आकर प्रार्थना के बारे में बात करेंगे।

ठीक है। दे रहा हूँ। श्लोक दो से चार।

मूल बात यह है कि देना दिल से होना चाहिए। देना चाहिए। पैसा देना चाहिए।

दान सही उद्देश्य से दिया जाना चाहिए। इसलिए, जब आप जरूरतमंदों को दान देते हैं, तो इस धारणा पर फिर से गौर करें कि हम जरूरतमंदों को दान देते हैं।

इसका प्रचार तुरही के साथ न करें, जैसा कि कपटी लोग सभाओं और सड़कों पर करते हैं ताकि लोग उन्हें सम्मान दें। मैं तुमसे सच कहता हूँ कि वे अपना प्रतिफल पा चुके हैं। लेकिन जब आप जरूरतमंदों को देते हैं, तो अपने बाएं हाथ को यह न जानने दें कि आपका दाहिना हाथ क्या कर रहा है ताकि आप गुप्त रूप से दान करें, और तब आपका पिता, जो गुप्त में देखता है, आपको प्रतिफल देगा।

क्या आपके पास अपने लोगों के दान के रिकॉर्ड तक पहुँच है? जब मैंने हमारे चर्च के लिए संविधान लिखा था, तो मैंने सख्ती से मना किया था। सभी तरह के कारणों से सख्ती से मना किया था। उनमें से एक था शास्त्र का अनुपालन।

आप जानते हैं, कर लाभ और अन्य बातों के बारे में हम जो बात करते हैं, किसी को तो पता होना ही चाहिए। लेकिन मैं बस इतना ही कहना चाहता हूँ। मुझे याद नहीं है कि ये मेरे नोट्स थे, इसलिए मैं अब यह कह रहा हूँ। आपको नहीं पता होना चाहिए।

मुझे एक बहुत ही अजीब स्थिति याद है, जिसमें, क्योंकि मैं सामना करने के लिए तैयार नहीं था, मैंने वह नहीं किया जो मुझे करना चाहिए था। लेकिन एक पादरी ने दूसरे पादरी के सामने आकर कहा, "आप इस चर्च को कुछ भी नहीं देते हैं।" दूसरे शब्दों में, पहले पादरी ने संविधान का उल्लंघन किया और दान के रिकॉर्ड में घुसकर यह देखने लगा कि दूसरे कर्मचारी क्या कर रहे थे।

मुझे क्या करना चाहिए था? उन्होंने शायद उसे मौके पर ही निकाल दिया। लेकिन, आप जानते हैं, यह पूरी बात है कि दुनिया के सबसे बुरे व्यक्ति को यह बताना कि कौन दे रहा है, वह उपदेशक है। मैं वास्तव में आपको इसके लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

खैर, ठीक है, मुझे अपने नोट्स पर वापस आना चाहिए। देना दिल से किया जाना चाहिए। ये तुरही बजाना क्या है? इसे तुरही बजाकर घोषित न करें जैसा कि पाखंडी लोग आराधनालयों और सड़कों पर करते हैं।

खैर, शायद सबसे अच्छा अनुमान यह है कि वह स्थान, और हम पुरातत्व से जानते हैं कि जिस स्थान पर पैसा दिया गया था, वहाँ छोटे से शुरू होने वाले पात्र थे और बड़े हो गए थे। वे धातु से बने थे, और कार्ल्स ने यह समझाने का अच्छा काम किया है कि विचार यह है कि आप अंदर जाकर पैसा नहीं ले सकते, लेकिन आप दे सकते हैं क्योंकि ये सींग धातु से बने थे। आपने कितना पैसा दिया, यह उस ध्वनि की मात्रा से संकेतित होगा जो दीनार और अन्य शेकेल के नीचे जाने पर होती थी, जैसे कि शेकेल वास्तविक कंटेनर में नीचे जाते थे। तो, यीशु, एक स्तर पर, रूपक के बारे में बोल सकते हैं, आप जानते हैं, तो क्या आप अंदर आते हैं, क्या आप मुझे लगता है कि आधुनिक समय में यह कर रहे हैं, क्या आप एक सौ डॉलर का नोट लेते हैं और चढ़ावे में डालते हैं या क्या आप एक सौ एक डॉलर के नोट लेते हैं और चढ़ावे की थाली के पास से गुजरते समय यह बड़ी गड्डी देते हैं।

तो, यह कुछ हद तक समानांतर है। दूसरी संभावना यह है कि हम जानते हैं कि यहूदी धर्म में धार्मिक चक्र में दावतों और विभिन्न घटनाओं की घोषणा करने के लिए तुरही बजाई जाती थी, और मैंने हमेशा पढ़ा है कि इनमें से कुछ लोग वास्तव में अपने साथ एक दल लेकर जाते थे, वे आराधनालय में घुस जाते थे या सड़क पर निकल पड़ते थे और वे धूमधाम से अपने सींग बजाते थे, वे सचमुच उन्हें बजाकर घोषणा करते थे कि कोई बड़ा उपहार दिया जा रहा है। कार्ल्स कहते हैं कि इसका कोई सबूत नहीं है, लेकिन मुझे नहीं पता कि सड़कों पर वाक्यांश के साथ और क्या किया जाए।

अगर तुरही के धमाके के सींग सिर्फ बर्तन होते, तो मुझे नहीं पता कि सड़कों पर इसका क्या मतलब होता। इसलिए, मुझे इस पर शोध करने का समय नहीं मिला, लेकिन आम तौर पर, यही दो चीज़ें हैं जिनके बारे में सोचा जाता है कि यह सिर्फ दिखावे के लिए किया गया था। इन धातु के तुरही के आकार के बर्तनों में बहुत सारे छोटे सिक्के डाले जाते हैं, या लोग वास्तव में मेरे द्वारा दिए जा रहे इन सारे पैसों को देखते हैं।

किसी भी तरह से, उनका दान मानव प्रशंसा के लिए था, और इसका परिणाम यह था कि उन्हें भगवान से कुछ भी वापस नहीं मिलने वाला था। ग्रीक शब्द हिपोक्रेट्स एक दिलचस्प शब्द है। यह शब्द अच्छा है। ग्रीक शब्द बाद में अंग्रेजी में हिपोक्रेट के रूप में आया। इसका मूल रूप से मतलब अभिनेता था। यह कोई ऐसा व्यक्ति था जो कुछ ऐसा प्रतीत होता था जो वह नहीं था। ठीक है, और इसलिए, यह शब्द पाखंडी में विकसित हुआ, इसलिए आप जानते हैं कि ये वे लोग हैं जो देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि चर्च एक मंच है, पैसा एक सहारा है, और देना दिखावा है, और लक्ष्य दूसरों को प्रभावित करना है।

और यीशु कहते हैं कि उन्हें अपना इनाम मिल गया है, और वास्तव में, NLT अनुवाद यहाँ सबसे अच्छा है। NLT कहता है कि उन्हें अपना पूरा भुगतान मिल गया है, और इसका कारण यह है कि यह एक बेहतर अनुवाद है क्योंकि ग्रीक शब्द एक तकनीकी, वाणिज्यिक शब्द है जिसका वास्तव में अर्थ है पूरा भुगतान प्राप्त करना। दूसरे शब्दों में, यह वह सब है जो उन्हें मिलने वाला है। उनकी प्रशंसा की हर चीज़ उन्हें लोगों ने पूरी तरह से दी है; भगवान से कुछ भी नहीं आ रहा है।

फिर से, लूका में समानता वास्तव में इसे और भी बदतर बनाती है। लूका 16:15 कहता है कि तुम वे हो जो मनुष्यों के सामने खुद को सही ठहराते हो, लेकिन परमेश्वर तुम्हारे दिलों को जानता है, क्योंकि मनुष्यों के बीच जो कुछ ऊंचा है वह परमेश्वर की दृष्टि में घृणित है। इसलिए, यह सिर्फ इतना नहीं है कि मानव प्रशंसा के लिए यह देना एक बुरी बात है, यह एक घृणित बात है।

यह एक धिनौना काम है। वैसे, किंग जेम्स का अंतर - हमने इनमें से एक देखा, मुझे लगता है कि यह कल था - खुलेआम। किंग जेम्स ने किया है। तो क्या यह है कि तुम्हारा पिता, जो गुप्त रूप से किए गए कामों को देखता है, तुम्हें खुलेआम इनाम देगा? क्या वह किंग जेम्स है?

क्या यहीं पर खुलेआम है। मेरा एक पैर है। यहीं पर है।

ठीक है। हाँ। यह एक पाठ्य-संबंधी मुद्दा है, और आधुनिक अनुवादों का मानना है कि ग्रीक शब्द ओपनली बाद में जोड़ा गया था, यही कारण है कि यह वहाँ नहीं है, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि यह वास्तव में पूरे बिंदु का विरोधाभास है।

पूरा मुद्दा खुलेआम प्रशंसा करने का नहीं है, न ही सार्वजनिक रूप से मानवीय प्रशंसा करने का है। और इसलिए भगवान द्वारा गुप्त रूप से देखकर खुले तौर पर पुरस्कृत करना, अगर यह वास्तव में पाठ होता, तो यह भ्रामक होता। तो, लेकिन यह एक पाठ्य मुद्दा है।

सर्वश्रेष्ठ यूनानी पांडुलिपियों में यह शब्द खुले तौर पर नहीं है। इसलिए यह वहाँ नहीं है। इसलिए, उपदेश के लिए विशिष्ट भाषा में, यीशु एक बिंदु को स्पष्ट करने के लिए नाटकीय भाषण का उपयोग कर रहे हैं क्योंकि आपके बाएं हाथ को यह न पता चले कि आपका दाहिना हाथ क्या कर रहा है, इसका एकमात्र तरीका लोबोटॉमी है।

तो यह फिर से हमारा पुराना दोस्त फिर से आ गया है। आप इसे सरलीकृत समझे बिना ताकत को कैसे जाने देते हैं। मुझे सरलीकृत से बेहतर कोई शब्द ढूँढना होगा।

आपको चीजों को संदर्भ के हिसाब से समझना होगा - कुछ ऐसा ही। आप जानते हैं, हाथ काटने और खुद को अंधा करने के पिछले उदाहरण।

वह अभी भी एक बात कह रहा है। पाखंडियों के विपरीत होना हमारी प्रेरणा है। इसलिए अपने दान की घोषणा करने के बजाय, हमें ईश्वरीय प्रशंसा के लिए सही कारणों से दान देने के लिए जो भी करना पड़े, करना चाहिए, न कि मानवीय प्रशंसा के लिए।

रॉबिन और मेरे बीच शादी के बाद सबसे पहली बहस इसी श्लोक को लेकर हुई थी। क्योंकि उसे लगता था कि दान देने पर कर कटौती लेना गलत है। क्योंकि तब आपका बायाँ हाथ जानता है कि आपका दायाँ हाथ क्या कर रहा है।

आप अपने दान पर नज़र रख रहे हैं और आपको कर में कटौती मिल रही है। खैर, आपको दान देने पर कर नहीं लगाया जा रहा है और यह वास्तव में कोई कटौती नहीं है। यह दिलचस्प था।

हमने इस पर लगभग एक साल तक बहस की, और यह उन मौकों में से एक है जब मैं आखिरकार जीत गया। वह चीजों के प्रति वाकई संवेदनशील है, मुझसे भी ज़्यादा संवेदनशील। इसलिए, डिफ़ॉल्ट रूप से, इस तरह की चीजों पर, हम रॉबिन के साथ जाते हैं। लेकिन मैंने अभी कहा कि कटौती मेरे लिए महत्वपूर्ण थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि पाठ यही कह रहा है।

लेकिन यह गुप्त रूप से देने के बारे में कह रहा है। इसलिए मुझे यह परंपरा पसंद है कि जब वे भेंट देते हैं, तो यह एक थैला होता है, न कि धातु की प्लेट। क्योंकि आप जानते हैं कि धातु की प्लेट पास से जाती है, आप देख सकते हैं कि आपके बगल में बैठा व्यक्ति क्या डालता है।

क्या आपने बिल कॉस्बी की भेंट प्लेट के बारे में दिनचर्या देखी है? यह बहुत समय हो गया है, लेकिन मूल रूप से, वह इस बारे में बात कर रहा था कि जब चढ़ावा लिया जाता था तो उसे चर्च में जाने में कितना मज़ा आता था क्योंकि वे अपनी उंगलियों पर डबल स्टिक टेप लगाते थे, और जैसे ही चढ़ावा आता था, वे पैसे डालने का नाटक करते थे और, अरे, आपको क्या मिला? अरे, मुझे 38 सेंट मिले। आपको क्या मिला? जब वे अपनी उंगलियाँ चिपका रहे थे और चढ़ावे से पैसे निकाल रहे थे। मेरा पसंदीदा चढ़ावा चर्च के पीछे कूड़ेदान है। हम अपने चर्च में ऐसा नहीं करते थे।

यह एक गलती थी। काश, हमारे संदर्भ में, हम ऐसा करते। मैं जानता हूँ कि भेंट चढ़ाना पूजा का एक कार्य है।

यह तब मददगार होता है जब यह भाग होता है, आप जानते हैं, पूजा रहस्योद्घाटन और प्रतिक्रिया का एक चक्र है, है न? बीटी पर पूजा पर शानदार सेमिनार। अगर यह आपको समझ में नहीं आता है, तो वास्तव में इसे प्रोत्साहित करें। मुझे नहीं लगता कि किसी को भी बीटी पर पूजा पर सेमिनार सुने बिना उठकर पूजा का नेतृत्व करना चाहिए।

यह इतना अच्छा है। वैसे भी, आराधना रहस्योद्घाटन और प्रतिक्रिया का एक चक्र है। इसलिए यदि आपके गायन या आपके उपदेश में ईश्वर का स्पष्ट रहस्योद्घाटन नहीं है, तो यह आराधना नहीं है।

यदि आप लोगों को उनके द्वारा सीखी गई बातों पर प्रतिक्रिया करने में सक्षम नहीं बनाते हैं, तो यह आराधना नहीं है, ठीक है? इसलिए, ऐसे गीत गाना कि धर्मशास्त्र गलत है, आराधना नहीं है। जब आराधना करने वाले नेता गा रहे हों और कोई और न गा रहा हो, क्योंकि यह एक शो है, एक प्रदर्शन है, तो यह आराधना नहीं है, ठीक है? तो, यह यशायाह 6 से आता है, रहस्योद्घाटन और प्रतिक्रिया का यह चक्र। और इसलिए, मैं हमेशा लोगों को प्रतिक्रिया करने में सक्षम बनाने के तरीकों की तलाश में रहता था, ठीक है? रहस्योद्घाटन के लिए, यह मेरा उपदेश था, और यह गीतों में शब्द थे, जो हर गीत मेरे सामने से गुज़रे।

मुझे हर गाने को मंजूरी देनी पड़ी। प्रतिक्रिया यह थी कि हमने धर्मोपदेश को सेवा में पहले ही आगे बढ़ा दिया था, जो किसी को पसंद नहीं आया, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं थी क्योंकि मैं धर्मोपदेश का जवाब चाहता था, और उसके बाद गाना एक प्रतिक्रिया थी। देना एक प्रतिक्रिया है।

पढ़ने की प्रतिक्रिया एक प्रतिक्रिया है, ठीक है? तो, रहस्योद्घाटन और प्रतिक्रिया का चक्र। और शायद इसीलिए हमने सेवा की पूजा पद्धति के हिस्से के रूप में भेंट को रखा। लेकिन इसके साथ इतनी सारी समस्याएं जुड़ी हुई हैं कि जब मैं चर्च जाता हूँ तो मुझे बहुत अच्छा लगता है, जहां पीछे सिर्फ एक कूड़ेदान होता है, और वहीं आप अपना पैसा डालते हैं।

मैं एक चर्च में था, हालाँकि, उनकी सबसे बड़ी समस्या यह थी कि वे सचमुच दीवार में बने कूड़ेदानों का इस्तेमाल करते थे। और आप लोगों को चेक लेकर घूमते हुए देखते हैं, मैं कैसे कहाँ रखूँ? मैं कैसे कहाँ रखूँ? और अंत में वे गलियारे के पीछे किसी तरह की पिरामिड के आकार की चीज़ में चले गए ताकि लोग देख सकें कि उन्हें अपना पैसा कहाँ देना है। लेकिन जैसे भी, पूरी बात यह है कि हम लोगों को दिखाने और प्रशंसा पाने के लिए नहीं देते हैं, बल्कि हम भगवान द्वारा प्रशंसा पाने के लिए देते हैं।

जब देने की बात आती है तो खराब याददाश्त से ज़्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं होता। जितनी जल्दी हो सके अपनी उदारता को भूल जाइए। आप पूंजी अभियानों के बारे में कैसा महसूस करते हैं जो वादा करते हैं कि अगर कोई व्यक्ति एक निश्चित राशि दान करता है तो उसका नाम दीवार पर लिखा जाएगा? हाँ, वे अपना इनाम कहाँ चाहते हैं? दीवार पर या स्वर्ग से? हाँ, मैंने इस पर अपना मन नहीं बनाया है, लेकिन मैं शुरू में इसका बहुत विरोध करता था।

मुझे ऐसा कोई तरीका नहीं दिख रहा था जिससे यह उल्लंघन न हो। दूसरी ओर, वे इस कारण से ऐसा नहीं करते, लेकिन मैं लोगों का सम्मान करना चाहता हूँ। मुझे नहीं पता कि यह सही है या नहीं।

यह उन चीजों में से एक है। फ्रैंक यहाँ ऐसा कभी नहीं करेंगे। हाँ, शैक्षणिक संस्थान और बाइबिल प्रशिक्षण अलग-अलग हैं।

मुझे नहीं पता कि किसी ने आकर कहा कि मैं बाइबिल प्रशिक्षण के लिए दस लाख डॉलर देना चाहता हूँ, लेकिन मैं आपकी साइट पर एक पेज चाहता हूँ जो मुझे धन्यवाद दे। मेरे पास इसका उत्तर नहीं है। मैं वास्तव में उस प्रश्न का उत्तर जानना चाहता हूँ।

इसलिए, अगर आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति है जो बहुसंख्यक दुनिया में शिक्षा का चेहरा बदलना चाहता है, तो उसे मेरा नंबर दें, और हम मेट के साथ मिलकर काम करेंगे, और हम उनके नाम को एक पेज पर एक मिलियन डॉलर में डालने के बारे में विचार करेंगे। मैं उनके पास गया। मैंने उन्हें प्रेरित करने के लिए आपके उदाहरण का इस्तेमाल किया, और उन्होंने मेरी अपेक्षा से कहीं ज़्यादा दिया।

और अब, उनमें से कुछ मेरे साथ वापस आ रहे हैं ताकि वह भेंट पूरी कर सकें जिसकी शुरुआत आपने अपनी पुस्तक में की थी। और इसलिए, मैं चाहता हूँ कि आप वही दें जो आपने देने का वादा किया था, क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो मुझे उन्हें यह बताने में शर्मिंदगी होगी कि मैसेडोनिया से मेरे साथ आने वाले लोग शर्मिंदा होंगे क्योंकि उन्होंने बहुत उम्मीद की थी और अगर आप उसका पालन नहीं करते हैं तो आप शर्मिंदा होंगे। मैसेडोनियाई लोगों के साथ अंतर यह है कि वह व्यक्तियों को अलग-थलग नहीं करता है और प्रत्येक व्यक्ति ने कितना दिया है।

उनका कहना है कि मैसेडोनिया के लोग वाकई बहुत उदार हैं। लेकिन अगर कोई आपके पास आए और कुछ देने की पेशकश करे और आप कहें कि क्या आप मुझे अपनी उदारता के बारे में हमारी वेबसाइट पर एक पेज डालने की अनुमति देंगे, तो क्या आप इसके लिए सहमत होंगे? आप किसी की उदारता को किसी और के लिए एक उदाहरण के रूप में इस्तेमाल कर रहे होंगे। और यह चर्चा वास्तव में हमारे साथ हुई है, जहाँ हमें कुछ बड़े उपहार मिले हैं, और जब मैंने इस बारे में बात की कि क्या करना है, तो व्यक्ति कहता है, नहीं, मैं नहीं करता।

मैं आपकी वेबसाइट पर नहीं आना चाहता। मैं आपके न्यूज़लेटर में अपना नाम दर्ज नहीं करवाना चाहता। मैं इसलिए नहीं दे रहा हूँ।

हमें एक साथ 10,000, 15,000 डॉलर दिए गए हैं और वे अपना नाम उजागर नहीं करना चाहते। तो, वैसे भी, यह सिर्फ एक खुला सवाल है। इससे जो समस्या पैदा होती है वह यह है कि अगर वह व्यक्ति एक अच्छा दाता के रूप में जाना जाता है और उसका नाम सार्वजनिक कर दिया जाता है, तो दूसरे लोग भी दान मांगेंगे।

ओह हाँ, हाँ, सभी तरह की समस्याएँ हैं। सच में? नहीं, नहीं, मुझे वीडियो के लिए इसे दोहराना होगा। तो, दक्षिणी बैपटिस्टों के बीच, सामान्य नियम है कि कोई स्मारक नहीं है।

और मुद्दा यह है कि जो आदमी दस लाख डॉलर देता है, उसकी बलि दी जाती है। हाँ, हाँ। हाँ।

और मैं बस इसे बाहर फेंक देता हूँ। मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही दिलचस्प चर्चा है, लेकिन हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। मुझे पादरियों के साथ पैसे नहीं जुटाने चाहिए थे।

सिवाय, ठीक है। हाँ, आप। वे, वे तब तक देते हैं जब तक उन्हें दर्द न हो, लेकिन एक समूह के रूप में वे दर्द के प्रति संवेदनशील होते हैं।

हाँ. ठीक है. ठीक है.

मैं यहाँ जो सबसे विवादास्पद बात कहना चाहता हूँ, वह यह है कि मुझे नहीं लगता कि मैंने अपने पूरे शिक्षण काल में कभी भी ऐसा कुछ कहा हो, जिसने इससे ज़्यादा हंगामा न मचाया हो। ठीक है। क्या आप तैयार हैं? ठीक है।

मेरी टिप्पणी थी, मैं पुरस्कारों में विश्वास नहीं करता। अरे, लोग वाकई बहुत निराश हो गए हैं। मुझे, मैं समझता हूँ कि मेरा क्या मतलब है।

और फिर हम इस बारे में बात करेंगे क्योंकि आप कहते हैं, हमें किस तरह से पुरस्कृत किया जाएगा? लेकिन जब यीशु का मतलब पुरस्कारों से है तो वह किस बारे में बात कर रहे हैं? और मुझे लगता है कि हम सभी इस बात से सहमत होंगे कि हम समृद्धि प्रचारक सुसमाचार से मिलने वाले पुरस्कारों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, आप जानते हैं, प्रचार करते हैं। यह उन कारणों में

से एक है जिसके कारण अफ्रीका में सुसमाचार फैल रहा है। यह उन कारणों में से एक है जिसके कारण अफ्रीका में सुसमाचार संपूर्ण सुसमाचार नहीं है, लेकिन यह एक प्रमुख विषय है।

अगर आप ईसाई बन जाते हैं, तो आपकी गाय आपको ज़्यादा दूध देगी। अगर आप देते हैं और ईसाई बन जाते हैं, तो आप ऐसा करेंगे; आपकी पत्नी प्रसव के दौरान नहीं मरेगी। मेरा मतलब है, यही समृद्धि का सुसमाचार है।

वास्तव में, यदि आप चाहें, तो मैं एक और संदिग्ध शब्द कहूंगा, लेकिन मुझे यह कहना होगा कि यदि आप YouTube पर जाना चाहते हैं, तो जॉन पाइपर की बकवास देखें। और मुझे लगता है कि यह उनका सबसे अधिक देखा जाने वाला YouTube वीडियो लिंक है। हाँ, वे उस पर जा रहे हैं।

और वह समृद्धि के सुसमाचार से नफरत करता है, और वह अफ्रीका के साथ जो कुछ भी कर रहा है उससे नफरत करता है। और वह वास्तव में उस शब्द का उपयोग करता है। यही कारण है कि यह, लेकिन मेरा मतलब है, उस लिंक पर कुछ मिलियन हिट हैं।

लेकिन वैसे भी, यह, मैं नहीं, हम में से कोई भी यहाँ नहीं सोचता कि वे समृद्धि के सुसमाचार के संदर्भ में पुरस्कारों के बारे में सोच रहे हैं, एक बड़ी कार, एक अच्छा घर, उस तरह की चीजें। और इस सब में मेरी समस्या का एक हिस्सा यह है कि बाइबल कभी भी पुरस्कारों को परिभाषित नहीं करती है। अब, 1 कुरिन्थियों 3 में पुरस्कारों के बारे में कुछ चर्चा है कि ऐसा लगता है कि वह लगभग वहाँ पहुँच गया है, लेकिन जब पुरस्कार कभी परिभाषित नहीं किया जाता है, तो यह मुझे वास्तव में आश्चर्यचकित करता है कि पुरस्कार शब्द का क्या अर्थ है।

और कभी-कभी, अगर मैं बहस करने के मूड में होता हूँ, तो मैं कहता हूँ, तुम्हें क्या चाहिए? मिलेनियल किंगडम में एक बड़ा घर? मेरा मतलब है, क्या? मैं किसी इनाम के बारे में सोच ही नहीं सकता। रैंडी अल्कोर्न ने अपनी किताब में इनामों के बारे में बहुत अच्छी बातें लिखी हैं। मैं उनसे असहमत हूँ, लेकिन यह एक बहुत ही अच्छी किताब है।

वह इस बात पर जोर देते हैं कि भले ही आप यह न समझ पाएं कि गुप्त रूप से देने का क्या इनाम है, लेकिन कुछ न कुछ तो मिलेगा ही। इसलिए, हमें स्वर्ग में इनाम पाने के लिए काम करना चाहिए। खैर, मैं इसे सांसारिक इनाम और स्वर्गीय इनाम के बीच बांटता हूँ।

सांसारिक पुरस्कार। माता-पिता बनने का पुरस्कार क्या है? क्या वे घर छोड़कर चले जाते हैं? नहीं। क्या माता-पिता बनने का पुरस्कार हमारे बच्चों का विकास, उनकी परिपक्वता और हमारे बच्चों का प्रभु से प्रेम करना नहीं है? मेरा मतलब है, क्या यही पुरस्कार नहीं है? आप जानते हैं, इसमें रिश्ते और अन्य चीजें शामिल हैं, लेकिन क्या यही अंतिम पुरस्कार नहीं है? अपने बच्चों को प्रभु के साथ चलते देखना माता-पिता बनने का पुरस्कार है।

और मुद्दा यह है कि प्रक्रिया का अंत ही पुरस्कार है। इसलिए रॉब और मुझे टायलर, कस्टन और हेडन के होने से जो पुरस्कार मिलता है, वह है हमारे पालन-पोषण और ईश्वर के प्रावधान को उनके जीवन में काम करते हुए देखने की अविश्वसनीय खुशी। मैं इससे बड़ा घर नहीं लेने जा रहा हूँ।

मैं कोई अच्छी कार नहीं खरीदूंगा। हालांकि टायलर कहता है कि अगर उसके पास कभी बहुत पैसा होगा, तो वह मुझे BMW खरीद कर देगा। लेकिन, आप जानते हैं, इनाम कुछ भौतिक या मौद्रिक या ऐसा कुछ भी सांसारिक नहीं है।

तीन बच्चों को भगवान ने जो बनाया है, वैसा बनते देखना एक परम आनंद है। मेरे तीनों बच्चे एक दूसरे से मौलिक रूप से अलग हैं। ऐसा लगता है जैसे तीन पिता और तीन माताएँ हैं।

वे बस बहुत अलग हैं। और हम उन्हें विकसित होते और बढ़ते हुए और एक दूसरे का पोषण करते हुए देखना पसंद करते हैं। मेरा मतलब है, क्या यही अंत नहीं है? प्रक्रिया का अंत ही पुरस्कार है।

और मुझे लगता है कि पवित्रता का अपना ही पुरस्कार है। और जैसे-जैसे आप और मैं अपनी परिपक्वता में बढ़ते हैं और देने के बारे में सीखते हैं, उसमें बहुत खुशी होती है। तो, देने का पुरस्कार क्या है? मुझे लगता है कि देने का पुरस्कार यह देखना है कि ज़रूरतें पूरी हो रही हैं।

हम कई अलग-अलग चीजों के लिए दान देते हैं। हर एक में, हमने ईसाई कारणों को चुना है जो हमें लगता है कि वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। एलायंस डिफेंस फंड, अफ्रीका इनलैंड मिशन और सभी अलग-अलग जगहों पर दान देने से हमें जो इनाम मिलता है, वह यह है कि अफ्रीकी इनलैंड मिशन मिशनरियों के लिए हवाई जहाज़ों का रखरखाव करते हैं ताकि उन्हें अफ्रीका के दूरदराज के इलाकों में ले जाया जा सके।

एडीएफ को देने का इनाम यह देखना है कि उनके वकील इस देश में धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि जहाँ तक धरती का सवाल है, इनाम, जब हम किसी चर्च या किसी और को पैसा देते हैं, तो इनाम यह देखना है कि ज़रूरतें पूरी हो रही हैं। आप और क्या चाहते हैं? कोई भी व्यक्ति जो सही कारण देता है, उसे और क्या चाहिए? स्वर्गीय पुरस्कारों के संदर्भ में, और यह 1 कुरिन्थियों 3 का अंश है, मुझे पता है कि कुछ काम आग से नष्ट हो जाएँगे।

ये वे हैं जहाँ प्रेरणा मानवीय प्रशंसा थी। और फिर यह इसके बारे में बात करता है। कुछ काम आग की परीक्षा से बच जाएँगे, और स्वर्गीय पुरस्कार मिलेगा।

लेकिन वह क्या है? सच कहूँ तो, मेरे लिए, कभी-कभी मैं कहूँगा नहीं; मैं एक इनाम में विश्वास करता हूँ, और वह है सब कुछ मसीह के चरणों में रखना। और हम आज दोपहर स्वर्ग में खजाना इकट्ठा करने के बारे में बात करने जा रहे हैं। और मैट और मेरे लिए, हम बाइबिल प्रशिक्षण क्यों करते हैं, वह नेतृत्व करने की स्वतंत्रता में क्यों शामिल होने जा रहा है, ताकि दुनिया के अधिकांश देशों में चर्चों में स्वस्थ संगठनात्मक संरचनाएँ बनाने में मदद मिल सके।

ठीक है, मैट? फ्रीडम टू लीड के लिए एक प्लग दें। Freedomtolead.net, अच्छा संगठन, यहाँ से, इस क्षेत्र में, वैसे। अध्याय 6 में बाद में भाषा का उपयोग करते हुए, मैट और मैं हमारे लिए पुरस्कारों का एक बड़ा ढेर रखना चाहते हैं।

हम स्वर्ग में खजाना इकट्ठा करना चाहते हैं। क्यों? क्योंकि हमें ऐसा करने के लिए कहा गया है। आप पादरी क्यों हैं? क्योंकि आप स्वर्ग में खजाना इकट्ठा करना चाहते हैं।

और मुझे लगता है कि सबसे बड़ा इनाम यही है, चाहे वह कुछ भी हो, यह विशाल, विशाल खजाना जिसके लिए आपने अपना पूरा जीवन भगवान की कृपा से काम करते हुए और अपना कहते हुए बिताया है। मैं किसी और चीज की कल्पना ही नहीं कर सकता जो इनाम हो। इसलिए, जब मैं इसे देखता हूँ, तो वह जो देखता है और जो गुप्त रूप से किया जाता है, वह आपको इनाम देगा, लेकिन मैं जिस इनाम की उम्मीद कर रहा हूँ वह कोई इनाम नहीं है।

मैं जिस इनाम की उम्मीद कर रहा हूँ, वह है जेमी जॉन्स का यहाँ क्लास में आना। ओह, मुझे माफ़ करना। मुझे कुछ कहना था।

इनाम यह है कि धरती पर ज़रूरतें पूरी होती हुई दिखाई दें। और स्वर्ग में चाहे जो भी हो, उसे सभी दूसरे मुकुटों के साथ नीचे गिराकर यीशु के चरणों में रख देना। मेरा मतलब है, मैं ऐसा करता हूँ।

जब लोग इस पर मुझसे लड़ते हैं, तो मैं कहता हूँ, क्या आप सहस्राब्दी में एक बड़ा घर चाहते हैं? आप 10 शहरों से ज़्यादा बड़े बनना चाहते हैं? आप जानते हैं, उस दृष्टांत पर चलते हुए। कोई भी समझदार व्यक्ति 10 शहरों को चलाने की प्रशासनिक ज़िम्मेदारी क्यों लेना चाहेगा? यह स्वर्ग है, नर्क नहीं। यह नर्क है।

प्रशासन खत्म... मुझे प्रशासन से नफरत है। ठीक है। आप किस इनाम की उम्मीद कर रहे हैं? या आपने इसके बारे में सोचा है? आप जानते हैं, मैं स्वर्ग में खजाना इकट्ठा करने के बारे में बात करने जा रहा हूँ और यह कैसा दिखता है और मुझे लगता है कि हम इसे कैसे करते हैं।

तो, हम इस बारे में बाद में बात करेंगे। लेकिन वैसे भी, यह... मैं किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानता जो मेरे जैसे पद पर हो। तो, मैं... कम से कम मैं इस मुद्दे पर अत्यंत अल्पमत में हूँ, लेकिन... मुझे पता है कि यह कहना थोड़ा मुश्किल है।

खैर, मैं सहस्राब्दी में एक बड़ा घर चाहता हूँ। आप जानते हैं कि मैं सहस्राब्दी में क्या चाहता हूँ? मैं आखिरकार बाहर सोने में सक्षम होना चाहता हूँ, चाहे बारिश हो या न हो। आप जानते हैं, मुझे बाहर रहना पसंद है, लेकिन मैं इतना मजबूत नहीं हूँ कि एक बैग लेकर माउंट हूड की चोटी पर जा सकूँ और तारों के नीचे सो सकूँ।

और यही मेरा स्वर्ग का विचार है। बड़े घर का विचार तो बकवास है। लेकिन मैं ऐसा ही हूँ।

मैं ऐसा कहने का कोई तरीका नहीं सोच सकता। बच्चे शादी से संबंधित हैं। हाँ।

शादी का मतलब है कि इनाम एक लंबी और सुंदर पहुंच है। मैं वहां रिपोर्ट करने में सक्षम हूँ और इसकी सराहना करता हूँ। कुछ ऐसा है जो चलता है, लेकिन यह पूरी तरह से मोड में है।

संतुष्टि: मैंने चर्च में अपना दान बढ़ा दिया है, और मेरे व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य यही है कि मैं इसे बरकरार रखूँ। मैं कब उम्मीद कर सकता हूँ कि यह बढ़ेगा? मुझे पुरस्कारों की तुलना आशीर्वाद से करने का विचार पसंद है। मुझे लगता है कि यह इसे करने का एक अच्छा संदर्भपरक तरीका है।

जब आप आनंदमय वचनों को देखते हैं, तो आप किसी भी आशीर्वाद के बारे में भौतिक शब्दों में नहीं सोचते हैं। और इसलिए, यहाँ बदलाव क्यों करें? वैसे भी, यह सिर्फ सोचने वाली बात है। हमें पुरस्कृत किया जाएगा।

इसलिए, मैं पुरस्कारों में विश्वास करता हूँ, और हाँ, मैं निश्चित रूप से पुरस्कृत होने की उम्मीद करता हूँ। लेकिन मेरा मानना है कि यह किसी भी तरह से इस बात को प्रतिबिंबित नहीं करेगा कि दुनिया क्या सोचती है कि पृथ्वी पर पुरस्कार क्या होगा। मैं आशीर्वाद के साथ जाने वाला हूँ।

इनाम वह है जो हम मसीह के चरणों में रखते हैं। हम कहते हैं, इनाम यह है, मैं थक कर मर गया, मैंने वह किया जो आपने मुझे करने के लिए कहा था, और मैंने इसे खुशी से किया। इससे मुझे बहुत खुशी मिली है, और मेरा मानना है कि इससे भगवान को भी बहुत खुशी मिली है।

और यही इनाम है। यह जानते हुए कि हमने वह किया है जिसके लिए हमें बुलाया गया था, हमने इसे अच्छी तरह से किया है, हमने इसे खुशी से किया है, और हमने अपने उद्धारकर्ता की मुस्कान अर्जित की है। क्या आपने वह तस्वीर देखी है? मुझे लगता है कि इसे जर्नीज़ एंड कहा जाता है, और यह एक तरह से पीटा हुआ किशोर बच्चा है, जो बस थक गया है, यीशु की बाहों में गिर रहा है।

क्या आपने वह चित्र देखा है? हाँ, हाँ। यह वह कलाकार है जो चीजों को चित्रित करता है, बाइबल के अर्थ में छाया में बहुत सी चीज़ें हैं। तो, जैसे कि एक युवा पादरी की तस्वीर है, और उसके नीचे बात की गई है कि हम गवाहों के एक बादल से घिरे हुए हैं, और फिर वे पृष्ठभूमि में पुराने नियम के सभी संतों में फीके पड़ जाते हैं।

क्या आपने वह तस्वीर देखी है? ठीक है, यह वही कलाकार है। शायद उसकी तस्वीरों में से मेरी पसंदीदा तस्वीर यह है, अगर आप कलाकार हैं, तो इसमें एक पिता की पीठ है जो अपने छोटे लड़के के बिस्तर पर घुटनों के बल बैठकर प्रार्थना कर रहा है, और पृष्ठभूमि में आप स्वर्गदूतों को राक्षसों से दूर रखते हुए देख सकते हैं। क्या आपने वह तस्वीर देखी है? प्रमुख रंग नीला है।

मेरे बेटे ने अपने कंधे पर यह टैटू गुदवाया है। इसलिए जब भी मैं उसे देखता हूँ, मुझे वह तस्वीर याद आ जाती है। वैसे भी, मुझे लगता है कि इसका इनाम भगवान को प्रसन्न करने, उनके प्रति प्रतिक्रिया करने, बड़े होने और प्रार्थनाओं का उत्तर ऐसे तरीकों से देखने की खुशी है जो राज्य को आगे बढ़ाते हैं।

मुझे लगता है कि मूल रूप से यही इनाम है। हाँ, मैं उस पुराने गीत के बारे में सोचता हूँ, थैंक यू फॉर गिविंग टू द लॉर्ड। हाँ, हाँ, मुझे वह गाना बहुत पसंद है।

मैं उन लोगों को देखकर खुशी के बारे में सोचता हूँ जिनका जीवन भगवान द्वारा इस जीवन में उनके लिए बनाई गई सभी चीज़ों की वजह से बदल गया है। मुझे लगता है कि मैंने इसे कभी मात्रात्मक रूप से नहीं देखा। क्या आप सभी उस गीत को जानते हैं? यह कई साल पहले CMA के वार्षिक दान समारोह के लिए वार्षिक गीत था।

लेकिन, आप जानते हैं, प्रभु को धन्यवाद, और यह स्वर्ग में एक आदमी के बारे में एक कहानी बताता है, और कोई उसके पास आता है और उसे धन्यवाद देता है। और मुझे सटीक शब्द याद नहीं हैं, लेकिन यह मूल रूप से था, आप जानते हैं, मुझे नहीं पता कि आप कौन हैं। उन्होंने कहा, ठीक है, जब मिशनरी आपके चर्च में आया, और आपने दिया, तो उस पैसे ने उसे मेरे पास आने और मुझे देखने में सक्षम बनाया, और मैं बच गया।

मुझे यह पसंद है। यह एक और चीज़ है जिसका मैं उपयोग करना चाहूँगा। मैं अक्सर लोगों से कहता हूँ, लोग, आप और मैट और एड बाइबिल प्रशिक्षण को मुफ्त क्यों बनाते हैं? जब कोई राजस्व सृजन पक्ष नहीं होता है तो यह वास्तव में चुनौतीपूर्ण होता है।

और मेरे जवाब का एक हिस्सा यह है कि, मुझे लगता है कि यह एक इनाम है। मैं स्वर्ग में लाखों लोगों से मिलना चाहता हूँ। और वे कहेंगे, तुम्हें पता है क्या? तुमने मेरी आत्मा की शिक्षा प्रदान की।

आपने मुझे सुसमाचार प्रचार करने के लिए प्रशिक्षित किया। तो चलिए मैं आपको 10,000 लोगों को दिखाता हूँ जो मेरी सेवकाई के कारण प्रभु के पास आए, जो कभी नहीं होता अगर आपने अफ्रीका में वह माइक्रो एसडी कार्ड न भेजा होता और मुझे मुफ्त शिक्षा न दी होती। तो मुझे लगता है कि यह एक और तरीका है।

बस इतना ही। मुझे इसे लिखना है - स्वर्ग में आभार।

रे बोल्डज़। शुक्रिया। हाँ। हम्म। हम्म। हाँ।

यह एक बेहतरीन गाना है - वाकई में। ठीक है, चलिए जल्दी से उपवास के बारे में बात करते हैं क्योंकि मेरे पास इसके बारे में कहने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं है।

और फिर हम अपना पहला ब्रेक लेंगे। धर्मपरायणता का तीसरा कार्य श्लोक 16 में है। तो, कृपया वहाँ से नीचे जाएँ।

जब तुम उपवास करो, तो कपटियों की तरह उदास मत हो, क्योंकि वे दूसरों को यह दिखाने के लिए अपना चेहरा बिगाड़ लेते हैं कि वे उपवास कर रहे हैं। मैं तुमसे सच कहता हूँ, उन्हें पूरा इनाम मिल चुका है। उन्हें मिलने वाला एकमात्र इनाम मानवीय प्रशंसा है।

परन्तु जब तू उपवास करे, तो अपने सिर पर तेल मल और अपना मुंह धो, कि लोग न जानें कि तू उपवास कर रहा है। परन्तु तेरा पिता जो गुप्त में है, उसे मालूम हो। और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, वह तुझे प्रतिफल देगा।

अब, अस्वीकरण यह है कि मैंने कभी उपवास नहीं किया है। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे करने के लिए मैंने कभी दृढ़ विश्वास महसूस किया हो। और इसलिए, मेरे लिए इसे किसी दृढ़ विश्वास के साथ सिखाना थोड़ा कठिन है।

निश्चित रूप से, मेरे लिए इसे दृढ़ विश्वास के साथ प्रचार करना असंभव था। इसलिए, जब मैंने इस मार्ग का प्रचार किया तो मैंने डेटा को देखा और फिर अपने बड़े बेटे को बुलाया। और टायलर नियमित रूप से उपवास करता है।

और इसलिए, मैंने उसे धर्मोपदेश समाप्त करने के लिए कहा। और इसलिए, एक अस्वीकरण के रूप में, यह ऐसा कुछ नहीं है जिसका मुझे व्यक्तिगत अनुभव है। हालाँकि, मुझे लगता है कि मैंने जो सामग्री देखी है, उसमें से जॉन पाइपर की पुस्तक, ए हंगर फॉर गॉड, शायद उपवास पर एक बहुत अच्छी किताब है।

और अगर उपवास आपके लिए महत्वपूर्ण है, तो मैं आपको इसे देखने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। वास्तव में, बाइबिल प्रशिक्षण और सेमिनारों में, जॉन ने हमें उपवास पर अपना सेमिनार दिया। इसे प्रार्थना, ध्यान और उपवास कहा जाता है।

इसलिए, अगर आप जॉन से इस विषय पर बात सुनना चाहते हैं, तो आप बाइबल प्रशिक्षण के ज़रिए इस तक पहुँच सकते हैं। यह कितनी अद्भुत साइट है। यह वाकई अद्भुत है।

ओह, वे मानवीय प्रशंसा की तलाश में हैं। उपवास क्या है? उपवास का मतलब है खुद को भोजन से वंचित करना, लेकिन आम तौर पर पानी से नहीं, एक निश्चित अवधि के लिए। खुद को भोजन से वंचित करना, जरूरी नहीं कि पानी से, एक निश्चित अवधि के लिए।

बाइबल में, कई अलग-अलग प्रकार के उपवास और उपवास के कई अलग-अलग कारण बताए गए हैं। कॉर्पोरेट उपवास हैं, आप जानते हैं, राष्ट्रीय प्रायश्चित्त दिवस। जब आक्रमण का खतरा था, तो उन्होंने उपवास किया। पॉल को भेजने से पहले एंटीओक के चर्च ने उपवास किया।

बहुत से सामूहिक उपवास और व्यक्तिगत उपवास हैं। यीशु इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है।

जब यीशु ने पौलुस को सड़क पर अंधा कर दिया था, तब उसने उपवास किया था। बहुत सारे व्यक्तिगत उपवास। और बहुत सारे अलग-अलग स्तर।

ऐसा लगता है कि यह आंशिक उपवास था, जैसे कि दानिय्येल, जो शाकाहारी था, ने वास्तव में अपने आहार को सीमित कर दिया था। निश्चित रूप से, जंगल में 40 दिनों तक रहने के दौरान यीशु को पानी पीना पड़ा होगा। यह पूर्ण उपवास नहीं था।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि एस्तेर ने राजा से मिलने जाने से पहले तीन दिनों तक हर चीज़ का पूर्ण और पूर्ण उपवास किया था। इसलिए, बाइबल में, नए और पुराने नियम में, बहुत से अलग-अलग कारणों से बहुत से अलग-अलग उपवास हैं। लेकिन उपवास क्या नहीं है? कभी-कभी यह

परिभाषित करना बहुत आसान होता है कि कोई चीज़ क्या है, यह परिभाषित करना आसान होता है कि वह क्या नहीं है।

मैं तर्क दूंगा, नंबर एक, कि यह एक बाइबिल अभ्यास है लेकिन बाइबिल का आदेश नहीं है। यह एक बाइबिल अभ्यास है। हम इसे हर जगह देखते हैं।

लेकिन यह बाइबिल का आदेश नहीं है। जहाँ तक हम जानते हैं, यीशु ने एक बार उपवास किया था, और दोबारा नहीं। यीशु की मृत्यु के बाद तक शिष्यों ने उपवास नहीं किया।

मुझे लगता है कि मत्ती 9:15 में दूल्हे के बारे में जो कहा गया है, वह यह आदेश नहीं है कि दूल्हे के चले जाने के बाद हम उपवास करें, बल्कि यह कह रहा है कि ऐसा ही होने वाला है। लेकिन अब हम बहुत तेजी से आगे नहीं बढ़ रहे हैं। अभी खुशी का समय है।

उपवास के लिए कोई जगह नहीं है। लेकिन वैसे भी, यह एक बाइबिल अभ्यास है, बाइबिल का आदेश नहीं। नंबर दो, बाइबिल का उपवास कभी भी शारीरिक कारणों से नहीं किया जाता है।

मैंने कॉलेज में कुछ समय के लिए एक लड़की को डेट किया था जो अपने शरीर को डिटॉक्स करने के लिए बाइबिल के अनुसार उपवास करना चाहती थी। और जहाँ तक मेरी समझ है, उपवास सबसे बुरी चीज है जो आप कर सकते हैं क्योंकि आपका शरीर शटडाउन मोड में चला जाता है, अधिक वसा जमा करता है, और कुछ भी छुटकारा नहीं पाता है। उपवास कभी भी शारीरिक कारणों से बाइबिल के अनुसार नहीं किया जाता है।

अगर आपको वजन कम करना है, तो वजन कम करें। इसे उपवास न कहें। तीसरी और शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बाइबिल में वर्णित उपवास कभी भी इसलिए नहीं किया जाता क्योंकि हम सोचते हैं कि शरीर बुरा है।

अब, यह अन्य धर्मों में धर्मनिरपेक्ष उपवास का हिस्सा है। यह द्वैतवाद है कि चूंकि शरीर भौतिक है, इसलिए यह स्वाभाविक रूप से बुरा है। आत्मा वह है जो मैं वास्तव में हूँ।

और दूसरे धर्मों में बहुत से उपवास शरीर के इनकार से संबंधित हैं, एक तरह से, असली मैं, आत्मा को मुक्त करने के लिए। खैर, यह जितना हो सकता है उतना असंवैधानिक है। हम शरीर और आत्मा हैं, गर्भाधान के समय संयुक्त होते हैं, मृत्यु के समय अस्थायी रूप से अलग होते हैं, और न्याय के समय स्थायी रूप से फिर से जुड़ जाते हैं।

और इसलिए, हम नहीं हैं; शरीर स्वाभाविक रूप से बुरा है, और असली मैं आत्मा नहीं है। तो, आपके पास 1 कुरिन्थियों 4, कुलुस्सियों 2 जैसे श्लोक हैं, जो इस बात पर जोर देते हैं कि परमेश्वर द्वारा बनाई गई सभी चीजें, अगर उन्हें धन्यवाद के साथ लिया जाए, तो अच्छी हैं। ठीक है? तो, मुझे इन चीजों के कुछ निहितार्थों के बारे में सोचने में मज़ा आता है।

हमारे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक, उनका बेटा, वैकूवर में प्रीमियम पॉट उत्पादकों में से एक है। और वह वास्तव में बहुत ही उच्च श्रेणी के मारिजुआना में माहिर है। और वह यह काम तब से कर रहा था जब यह कानूनी नहीं था।

और वह एक बार संडे स्कूल में आया था। यह वाकई दिलचस्प था। उसने कहा, आप जानते हैं, हम जानते थे कि पूल हॉल बुरे होते हैं।

हम जानते थे कि फिल्में बुरी होती हैं। हम जानते थे कि नाचना बुरा होता है। हम जानते थे कि शराब पीना बुरा होता है।

हम जानते थे कि बर्तन बुरा होता है। क्या बर्तन बुरा है? और इसका जवाब है, नहीं, ऐसा नहीं है। भगवान द्वारा बनाई गई सभी चीजें अच्छी हैं।

लेकिन जिस तरह लाल मांस का सेवन सही तरीके से करना चाहिए, उसी तरह भांग का सेवन भी सही तरीके से करना चाहिए। मेरे दोस्त के बेटे ने बताया कि उसके पास ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां लोग उसके पास आए हैं और उनके बच्चों को एक दिन में 20 मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। वह भांग को एक रासायनिक तरल पदार्थ के रूप में इस्तेमाल करता है और उनके हाथ में बस एक बूंद डालता है, और दिन भर के लिए सभी ऐंठन दूर हो जाती है।

भगवान ने बनाया है। यह कोई इंसान की बनाई हुई चीज़ नहीं है। इसका सही तरीके से इस्तेमाल होना चाहिए।

ओपियेट्स। अविश्वसनीय दर्द निवारक, है न? हम इनका इस्तेमाल करते हैं। खैर, हम नहीं करते।

दूसरे लोग इनका गलत इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ये हमारे लिए हैं। अमेरिकी मूल-निवासी सिरदर्द से कैसे निपटते थे? वे पेड़ की छाल चबाते थे।

मुझे लगता है कि यह ऐस्पिन का पेड़ था। तुम्हें यह पता होना चाहिए। क्यों? क्योंकि भगवान ने दर्द से राहत के लिए छाल में औषधीय गुण डाले हैं।

इसलिए, भगवान ने जो कुछ भी बनाया है वह अच्छा है। हमें इसका उपयोग भगवान के इरादे के अनुसार करना चाहिए। आनंद के लिए, शायद यह वैसा नहीं है जैसा भगवान ने इसे बनाया था।

खैर, यह निश्चित रूप से नहीं है। लेकिन शरीर बुरा नहीं है। भोजन बुरा नहीं है।

भगवान द्वारा बनाई गई कोई भी चीज़ बुरी नहीं है। इसलिए, जब लोग इस अंतर्निहित विचार के कारण उपवास करते हैं कि बुराई, जो भौतिक है, बुरी है, तो यह जितना संभव हो उतना गैर-बाइबिल है। हाँ, चर्च के इतिहास में मठवाद है जो वास्तव में गलत था।

यह द्वैतवाद पर आधारित था कि शरीर स्वाभाविक रूप से बुरा है और आत्मा स्वाभाविक रूप से अच्छी है। यह शुद्ध प्लेटोनवाद है। यह किसी भी स्तर पर बाइबिल से संबंधित नहीं है।

लेकिन हाँ, बहुत सारे... मेरा मतलब है, मेरे पास मठवासी प्रकार के तपस्वीवाद के साथ अन्य मुद्दे हैं क्योंकि वे अब दुनिया में नहीं हैं। और यह एक अलग मुद्दा है। वैसे भी, तो नंबर तीन यह है कि ईसाई उपवास इसलिए नहीं है क्योंकि शरीर खराब है।

चौथा, और यही हमारे मार्ग का मुद्दा है, और वह यह है कि ईसाई उपवास कभी भी प्रभावित करने का अवसर नहीं है। पुराने नियम में साल में केवल एक सामूहिक उपवास की आवश्यकता है। फरीसी सप्ताह में दो बार, सोमवार और गुरुवार को उपवास करते थे।

वे अपने चेहरे को बिगाड़ देते थे। ग्रीक में यह एक बहुत ही सशक्त शब्द है। इसका मतलब है, ओह, मैं सड़कों पर घूमता हूँ।

अरे, मेरी तरफ़ देखो, मैं कितना धार्मिक हूँ। उन्होंने खुद को लगभग पहचान से परे कर लिया था। चेहरे पर विकृतियाँ, सामान्य स्वच्छता का पालन न करना, सिर पर राख।

तो फिर समाधान यह है कि ऐसा मत करो। तुम्हारी प्रेरणा क्या है? भगवान के लिए ऐसा करो। अब, पाइपर का अंतिम प्रश्न एक दिलचस्प प्रश्न है।

इसका मतलब है, क्या आप ईश्वर के प्रति अपनी भूख को बढ़ाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं? क्या मैं ईश्वर के प्रति अपनी भूख को बढ़ाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूँ? क्या मैं कुछ भी त्यागने को तैयार हूँ अगर ऐसा करने से मुझे ईश्वर से और अधिक प्रेम करने में मदद मिलती है? शायद हमें अपने उपभोक्तावाद से उपवास करना चाहिए। शायद हमें अपने उपभोग से उपवास करना चाहिए। मैंने लोगों के एक समूह के साथ इस पुस्तक के बारे में एक दिलचस्प चर्चा की। ओह, इसका नाम क्या है? यह एक साधारण जीवन जीने के बारे में है।

यहाँ कहीं पादरी थे। यह क्या था? वैसे भी, वे बेघर लोगों को देने, अपने घर देने और अपार्टमेंट में रहने के बारे में बात कर रहे थे। आम तौर पर, जब हम इस तरह की चर्चा करते हैं, तो इसका मतलब है कि कुछ भी कभी पूरा नहीं होता है।

क्योंकि सब कुछ इतना बड़ा और भव्य है, यह संभावना के दायरे से बाहर है। और मैंने अभी कहा, आप जानते हैं, रैंडी अल्कोर्न ने हमारे उपवास के बारे में एक दिलचस्प टिप्पणी की थी, खैर, वह उपवास के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन वह पैसे के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें कितना पैसा देना चाहिए? हमें इतना पैसा देना चाहिए कि कुछ चीजें ऐसी हों जो हम करना चाहते हैं लेकिन हम नहीं कर सकते।

इसलिए, जब मैं उपभोक्तावाद से उपवास, उपभोग से उपवास के बारे में सोचता हूँ, तो एक जगह मेरे दिमाग में यह बात आती है कि, ठीक है, रॉबिन और मैं बैठते हैं, अपने कर्षकों को लेते हैं, देखते हैं कि हम कितना देते हैं, और कहते हैं, ठीक है, क्या हम इतना दे रहे हैं कि कुछ चीजें हैं जो हम करना चाहते हैं लेकिन हम नहीं कर सकते? मुझे लगता है कि यह देने के लिए एक

बढ़िया गाइड है। और यह उपवास की इस चर्चा में फिट बैठता है। मुझे इसे यहीं खत्म करना है, और फिर हम इसे खोलेंगे।

मेरा एक दोस्त था जो बहुत मोटा था, शायद 100 पाउंड ज़्यादा वज़न वाला। और हम बोस्टन चले गए, चार साल बाद वापस आए, और मैंने उसे देखा, और मैंने कहा, तुम पहले जैसे आधे आदमी नहीं रहे। क्योंकि वह सचमुच पहले जैसा आधा आदमी नहीं रहा।

और मैंने पूछा, आपने 100 पाउंड कैसे कम किए? मैंने 100 नहीं कहा, लेकिन यही था। आपने इतना वजन कैसे कम किया? और उसने कहा, मुझे बस यह तय करना था कि खाना मेरा भगवान नहीं है। मुझे लगता है कि उपवास के बारे में सोचने का यह एक बढ़िया तरीका है।

और यह जॉन के सवाल का जवाब देता है, क्या मैं ईश्वर के लिए अपनी भूख बढ़ाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूँ? खैर, मेरे जीवन में कौन से देवता हैं? क्योंकि मेरे पास सिर्फ़ एक के लिए जगह है, इसलिए मुझे दूसरे झूठे देवताओं को त्यागना होगा। और अगर भोजन एक देवता है, अगर पेट भरने की ज़रूरत आपको अपने शरीर, ईश्वर के मंदिर को नष्ट करने के लिए प्रेरित करती है, तो शायद आपको खुद से यह कहकर भोजन से उपवास करने की ज़रूरत है कि भोजन मेरा भगवान नहीं है। बस एक उदाहरण।

जब मैं वहाँ बैठकर घूरता रहता हूँ, तो मैं एक ब्राउज़र, एक चरने वाला बन जाता हूँ, यही मेरी पत्नी मुझे कहती है। मैं किसी भी एक भोजन में बहुत ज़्यादा नहीं खाता, लेकिन मैं हमेशा अलमारी के पास जाता हूँ। इसलिए वह मुझसे खाना छिपाती है।

मैं 62 साल का हूँ, मुझसे खाना मत छिपाओ। बस इसे मत खरीदो। मैं इतना मजबूत नहीं हूँ कि इसे न खा सकूँ।

मैं इसे न खरीदने के लिए काफी मजबूत हूँ, इसलिए अगर मुझे वह ट्रेल मिक्स नहीं खाना चाहिए, तो कृपया इसे न खरीदें, इसे मुझसे न छिपाएं। लेकिन मैं वहाँ खड़ा रहूँगा, और मैं ट्रेल मिक्स को देखूँगा; मुझे बस कबूल करना है, और इसलिए जब मैं ऐसा खाना खाता हूँ जो मुझे नहीं खाना चाहिए, तो मुझे अपनी पत्नी को बताना होगा। इसलिए, मैं कहता हूँ, ठीक है, अगर मैं इसे खाता हूँ, तो मुझे राबिन को बताना होगा, वह निराश होने वाली है।

लेकिन अंत में मैं यही कहता हूँ कि, ठीक है, खाना मेरा भगवान नहीं है। मुझे पेट भरा हुआ महसूस करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे अपनी जीभ पर स्वाद की अनुभूति की पूजा करने की ज़रूरत नहीं है।

और यही तो ज़्यादा खाना है, है न? अगर दिन अच्छा हो और मैं ताकतवर हूँ, तो मैं दरवाज़ा बंद कर देता हूँ। अगर दिन वाकई अच्छा हो, तो मैं उसे उठाकर फेंक देता हूँ। उपवास पर आपकी क्या टिप्पणी है?

हाँ, यह उन तर्कों में से एक है जिसके अनुसार मैं गलत हूँ। इसमें कहा गया है, जब आप उपवास करते हैं। हालाँकि, यह उस संदर्भ के विरुद्ध किया गया है, जहाँ सभी लोग उपवास करते थे।

शायद हफ़्ते में दो बार नहीं। लेकिन यह कुछ ऐसा है जैसे मैं कह रहा हूँ कि जब आप तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाते हैं, तो मुझे प्रियस ड्राइवर को देखना चाहिए। जब आप तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाते हैं और लाल बत्ती पार करते हैं, तो टिकट मिलने पर शिकायत न करें।

देखिए, हवा डेव को यह नहीं बताती कि उसे तेज चलना है या लाल बत्ती पर चलना है। दरअसल उसने लाल बत्ती पर गाड़ी नहीं चलाई। वह थोड़ी एम्बर थी।

जब उसने अपना पैर नीचे रखा, ओह, यह वही दोस्त है जो तुमने मुझे दिया था। यह वही है जिसने मुझे फल दिया।

हाँ, यह कभी काम नहीं आया। कभी काम नहीं आया। तो, यह एक तर्क है।

जवाबी तर्क यह है कि कब, यह जरूरी नहीं है। यह सिर्फ यह कह रहा है कि आप यह कब करेंगे। अगर, तो कब।

मुझे एक पल के लिए यह देखने दो कि इसका ग्रीक क्या है। 17. यह सिर्फ एक कृदंत है।

दरअसल, इससे यह और मजबूत हो जाता है। लेकिन आप उपवास करते हुए अपने सिर पर तेल लगाते हैं। लेकिन यह शायद अस्थायी है।

लेकिन यह जरूरी नहीं है। हाँ, मेरा मतलब है, यह एक तर्क है कि मैं ग़लत हूँ। मैं इसे स्वीकार करता हूँ।

मैं यह मानता हूँ। मैं जल्दी से यह कहानी समाप्त करता हूँ। मैं एक बार एक स्कूल में फैकल्टी मीटिंग में था।

मैं आपको नहीं बताऊँगा कि कौन सा स्कूल है। और मैं देर से आया था। और जो व्यक्ति आध्यात्मिक निर्माण की कक्षा पढ़ाता था, वह भक्ति दे रहा था।

और मैंने जो सुना, वह यह था कि मेरे पिछले 40-दिन के उपवास में, मैंने जो सीखा, वह ये है। हाँ, मैं गया, ओह। और मैं एक दोस्त के बगल में बैठ गया।

मैंने उस आदमी की बातें कुछ देर तक सुनीं। फिर मैं अपने दोस्त के पास गया और पूछा, "क्या तुम असहज हो?" और उसने कहा, "हाँ, मैं बहुत असहज हूँ।" मुझे असहज होना चाहिए था।

मज़ाक यह है कि जब मैंने वह कहानी सुनाई, मैंने धर्मोपदेश के उस हिस्से का प्रचार किया, मैंने कहानी सुनाई, आप जानते हैं, मेरे पिछले 40-दिन के उपवास में, मैं नीचे चला गया, टायलर ऊपर चला गया, और बहुत ही प्रोफेसरीय लहजे में, उसने कहा, ठीक है, मेरे पिछले 40 दिनों के उपवास में। और अगर उस समय चर्च खत्म हो गया था, तो वे इतनी जोर से हंस रहे थे, वे शायद ही उसे सुन पा रहे थे। और उसने शो चुरा लिया।

लेकिन हाँ, मैं बहुत असहज था। आध्यात्मिक निर्माण के प्रोफेसर की बात सुनकर इस तथ्य पर ध्यान जाता है कि यह उनके कई उपवासों में से एक है और यह 40-दिवसीय उपवास है; यह कहना बहुत आसान है, आप जानते हैं, मैं जानता हूँ कि आप में से कुछ लोग उपवास करते हैं; कुछ नहीं करते।

यह एक आध्यात्मिक अनुशासन है और मैंने इसका अभ्यास करना चुना है। मैं कुछ बातें साझा करना चाहता हूँ जो मैंने सीखी हैं। देखिए, यह बहुत बढ़िया है।

यह आत्म-प्रशंसा नहीं है। आप अभी भी जानकारी दे सकते हैं। यह मेरे पिछले 40-दिवसीय उपवास से कितना अलग है।

उसने ऐसा करके ग़लत किया। ठीक है, चलो थोड़ा आराम करते हैं, और फिर प्रार्थना करते हैं। जब हम वापस आएँगे, तब प्रार्थना करेंगे।

हाँ, जब हम वापस आएँगे तो हम टिप्पणियों से शुरुआत करेंगे।

यह डॉ. बिल माउंट्स हैं जो माउंट पर उपदेश पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह मैथ्यू 6:1 पर सत्र 9 है और उसके बाद धर्मपरायणता के कार्यों पर है।